

Officers on Rolls in Central P.W.D.

1865. SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state the total number of officers in Central Public Works Department on rolls for more than 15 years but less than 20 years and more than 10 years but less than 15 years on the 1st April, 1977 separately for Civil and Electricals?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): The total number of officers in Central Public Works Department on rolls for more than 15 years but less than 20 years on the 1st April, 1977 is as under:

Civil	Electrical	Arthitec- ture	Horticult- ure
762	37	33	11

The total number of officers in Central Public Works Department on rolls for more than 10 years but less than 15 years on the 1st April, 1977 is as under:—

Civil	Electrical	Architec- ture	Horticult- ure
1934	460	90	26

गेहूं और धान की नई किस्में

1866. श्री नवाब सिंह चौहान ।

क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1976-77 के दौरान गेहूं तथा धान की कौन-कौन सी नई किस्में रिलीज हुईं तथा कौन-कौन सी किस्में जारी होने से पूर्व की स्थिति (प्री रिलीज स्टेज) में हैं; और

(ख) इन किस्मों के रिलीज करने में किस प्रक्रिया को अपनाया जाता है ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) यद्यपि वर्ष 1976-77 के दौरान गेहूं की कोई भी नई किस्म जारी नहीं की गई है तथापि अखिल भारतीय गेहूं अनुसंधान कार्य शिविर (वर्कशाप) ने 1976 में, गेहूं की नौ किस्मों यूपी 368, एच डी 2177, डब्ल्यू एल 711, डब्ल्यू एच 157, डब्ल्यू एल 410, यूपी 115, यूपी 1209, एच डी 2189 तथा सी सी 464, की रिलीज करने से पूर्व—परीक्षणों के लिए सिफारिश की है ।

धान के सम्बन्ध में, दो किस्में—आई ई टी 2914 जिसका नाम "आकाशी" तथा आई ई टी 1444 जिसका नाम "रवी" रखा गया है, जून, 77 में जारी की गई है । वर्ष 1976-77 में, अखिल भारतीय चावल कार्य शिविर (वर्कशाप) ने धान की नौ किस्मों—आई ई टी 2222, आई ई टी 2795, आई ई टी 3356, आई ई टी 4109 तथा आई ई टी 4700 वी की रिलीज करने से पूर्व—परीक्षणों के लिए सिफारिश की है ।

(ख) सम्बद्ध फसलों के कार्य शिवरों (वर्कशाप्स) में आशा-जनक किस्मों की पहचान परिक्षण प्लाटों में अनेक मौसमों में की गई जांचों के आधार पर की जाती है । यदि कोई कार्य शिविर किसी किस्म के लिए सिफारिश करता है तो उसे अनेक स्थानों में स्थित राज्य के कृषि विभागों के फार्मों में और किसानों के खेतों में जांच के लिए दिया जाता है । ऐसे परिक्षणों के परिणाम कार्यशिविर से प्राप्त आंकड़ों के साथ उन किस्मों को जारी करने के सम्बन्ध में निर्णय करने के लिए कृषि मंत्रालय की किस्मों को जारी करने

वाली केन्द्रीय उपसमिति के सामने प्रस्तुत किये जाते हैं।

तरबूज और खरबूजे की नई किस्में

1867. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने तरबूज और खरबूजे की कौन-कौन सी किस्में विकसित की है ; और

(ख) प्रचलित किस्मों की तुलना में और स्वाद के आधार पर उनका क्या स्थान है ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा, विदेशी सामग्री से, तरबूज की "सुगर बेबी" तथा "अशाही यमातो" किस्मों का चयन, भारतीय दशाओं में किया गया है। एक अन्य किस्म "दुर्गापुर मोठा" का विकास, समन्वयन केन्द्र, दुर्गापुर (जयपुर) में किया गया है।

खरबूज के सम्बन्ध में "पूसा सरवती" तथा "पूसा मधुरस" का विकास भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा "अर्कजोत" और "अर्क राजहंस" का विकास भारतीय उद्यान विज्ञान अनुसंधान संस्थान, हसरघट्टा (कर्नाटक) द्वारा किया गया है।

(ख) जहां तक पैदावार और गुण, जिसमें मिठास, स्वाद व सुगंध भी शामिल है, का संबंध है, यह किस्में प्रचलित किस्मों के मुकाबिले में कहीं अधिक बेहतर पाई गई है।

प्रचलित किस्में टेढ़े-मेढ़े आकार की हैं तथा उनके गुणों का भरोसा नहीं है। जिन किस्मों का अब विकास किया गया है वे सभी मामलों में उत्कृष्ट हैं जैसे कि वे बेहतर पैदावार देती हैं, उनका समान फलाकार है और मिठास स्वाद व सुगंध व गुणों की विश्वनीयता महित व अत्योत्तम है।

Exploration for Tube Wells and Filter

1868. SHRI S.D. SOMASUNDARAM: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether the findings by the Central Ground Water Board are not shared either with the agriculturists in Tamil Nadu or with State Ground Water Board Officials;

(b) if so, the purpose for which both Central and State officials work at variance without mutual consultation; and

(c) whether the Government would assure that their exploration will benefit the agriculturists to indicate the correct places in which tube wells/filter points could be profitably located?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) No, Sir. The programme of investigations of the Central Ground Water Board is drawn up in consultation with the officers of the Ground Water Wing of the public Works Department of Tamil Nadu. All investigation report are made available to that office to help the State Government in formulating Ground Water Development schemes.

(b) The question does not arise.

(c) Yes, 'Sir.

Krishna Water to Madras City

1869. SHRI S. D. SOMASUNDARAM: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether there is a stalemate/dispute in regard to method of bringing Krishna water to Madras city between various State Governments; and

(b) if so, whether Government of India will speed up the settlement and take up the execution without delay?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) and (b). The alternative proposals drawn up by the Government of Tamil Nadu for trans-